विश्व विकास रिपोर्ट (डब्ल्यूडीआर) 2007

विकास तथा अगली पीढ़ी

दक्षिण एशिया

यह *WDR 2007: Development and the Next Generation* *(विश्व विकास रिपोर्ट 2007 : विकास तथा अगली पीढ़ी)* में दक्षिण एशिया (एसएआर) में युवाओं के लिए प्रासंगिक नीतिगत दिशाओं, कार्रवाइयों, और कार्यक्रमों के संदर्भों का सारांश है।

दक्षिण एशिया में जनांकिकीय "अवसर" का लाभ उठाना

- 2005 में, एसएआर में 12-24 वर्ष की आयु वाले लगभग 40 करोड़ युवा लोग हैं - यानि विकसित देशों के सभी युवाओं का लगभग 30 प्रतिशत (संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या संबंधी अनुमान 2004 में पुनरीक्षित)। यह दस्ता धीरे-धीरे बढ़ता ही जाएगा; ज्यादातर देश (पाकिस्तान को छोड़कर) अगले 25 वर्षों में चरम पर पहुंचेंगे।
- विश्व विकास रिपोर्ट 2007 बताती है कि निर्भरता में कमी आने (काम न करने योग्य आयु वाली आबादी के मुकाबले काम करने योग्य आयु वाली आबादी में वृद्धि) की आशा दक्षिण एशिया में आर्थिक वृद्धि के लिए एक जबर्दस्त अवसर पेश करती है, बशर्ते कि श्रम आपूर्ति में इस बढ़ोत्तरी को उत्पादक ढंग से काम में लगाया जाये, और बचत तथा निवेश में वृद्धि हो।
- यह जनांकिकीय बदलाव एक ऐसे क्षेत्र में अवसर तथा चुनौती दोनों ही है जो साक्षरता तथा मातृत्व स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है।

शिक्षा और रोजगार के अवसरों का विस्तार करना

- विश्व बैंक द्वारा कराए गए निवेश के माहौल के सर्वेक्षण दर्शाते हैं कि विकासशील देशों (बंगलादेश सहित) में बीस प्रतिशत से अधिक फर्मे कामगारों के अपर्याप्त कौशल तथा शिक्षा को अपने संचालनों में एक बड़ी या गंभीर बाधा मानती हैं।
- रिपोर्ट कहती है कि बहुत कम उम्र में काम करने से स्कूली शिक्षा और सीखने को नुकसान पहुंच सकता है।
    - बंगलादेश के ग्रामीण क्षेत्रों में, प्राथमिक स्कूल जाने के साथ ही काम करने का माध्यमिक शिक्षा में संक्रमण पर खासा नकारात्मक प्रभाव पड़ा है, और

, 2004)।

प्राथमिकताएं

- मात्रा के साथ ही गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना। हालांकि शिक्षा नीतियों ने प्राइमरी स्कूल जाने वालों बच्चों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान दिया है, पर रिपोर्ट यह सुझाव देती है कि बेसिक शिक्षा सेवाओं तथा कौशल अर्जित करने की गुणवत्ता सुधारी जानी चाहिए।
    - उदाहरण के लिए, नेपाल में तीसरी कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देने वाले 60 प्रतिशत से भी कम बच्चे एक सरल वाक्य पढ़ सकते हैं।
- स्कूल में बने हुए लेकिन खराब प्रदर्शन करने वाले कम उम्र लोगों के लिए सुधारात्मक कार्यक्रमों को समर्थन देना।
    - भारत में, कम उम्र के बच्चों के लिए एक व्यापक शैक्षिक कार्यक्रम के सकारात्मक नतीजे मिले हैं (बनर्जी आदि, 2004)। इसके अंतर्गत समुदाय की युवा महिलाओं ने प्राइमरी स्कूल में पिछड़ने वाले विद्यार्थियों को बुनियादी साक्षरता और गणित संबंधित कौशल सिखाए।
- निम्न माध्यमिक शिक्षा को बुनियादी, अनिवार्य शिक्षा का अंग बनाना। बेहतर शिक्षित माता-पिता के बच्चे आम तौर पर बेहतर शिक्षित और अधिक स्वस्थ होते हैं। यदि माताओं को कुछ माध्यमिक शिक्षा मिली हो तो बच्चों के टीकाकरण की दर अधिक होती है।
- निर्धन परिवारों के युवा लोगों को अपनी शिक्षा का खर्च उठाने और अवसरों की लागत निकालने में मदद करना। रिपोर्ट प्रोत्साहन-आधारित योजनाओं का वर्णन करती है, लेकिन यह सुझाती है कि मात्रा के साथ ही गुणवत्ता पर भी ध्यान रहे।
    - बंगलादेश महिला माध्यमिक छात्रवृत्ति सहायता कार्यक्रम द्वारा 11-14 आयु की लड़कियों को सीधे सशर्त सहायता प्रदान करने से लड़कियों के स्कूल में नामांकन में भारी वृद्धि हुई है - उन्हें स्कूल भेजने के खिलाफ तीव्र पूर्वाग्रहों के बावजूद आगे के कार्यक्रमों में शैक्षिक परिणामों संबंधी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।
- विद्यार्थियों को ऐसे कौशल सिखाना जो उन्हें काम में संक्रमण के लिए तैयार करें। कंप्यूटर साक्षरता और अंग्रेजी का ज्ञान श्रम बाजार में अधिकाधिक उपयोगी साबित हो रहे हैं।
    - मुंबई में कराया गया एक सर्वेक्षण दर्शाता है कि 1990 के दशक के दौरान, अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में जाने वालों की आय तेजी से बढ़ी (मुंशी और रोज़ेनज़्वाइग, 2003)। "अंग्रेजी प्रीमियम" - अंग्रेजी स्कूलों में शिक्षित विद्यार्थियों की आय - पुरुषों के लिए 1980 में 15% से बढ़कर 24% और महिलाओं के लिए 1980 में लगभग 0% से बढ़कर 27% हो गई।

पोषण, मातृत्व स्वास्थ्यचर्या और परिवार नियोजन की शिक्षा में अधिक निवेश करना

- अपूर्ण शारीरिक विकास के कारण किशोरवय माताएं मृत्यु या प्रसव के दौरान गड़बड़ियों के अधिक जोखिम का सामना करती हैं।
  - बंगलादेश में, 15-19 वर्ष उम्र की 30 प्रतिशत से अधिक लड़कियां या तो मां बन चुकी हैं या गर्भवती हैं, लेकिन उनमें से कम ही ऐसी हैं जो गर्भावस्था के दौरान जानलेवा साबित हो सकने वाली स्थितियों की पहचान कर सकती हैं (सिद्दीका और कबीर, 2002)।
  - बंगलादेश, भारत और पाकिस्तान में, युवा महिलाओं के बीच मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं का प्रयोग बहुत कम है। ग्रामीण पाकिस्तान में, किशोरवय की लड़कियों की गतिशीलता अत्यंत सीमित है। इससे समय पर स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है।

प्राथमिकताएं

- दक्षिण एशिया में मातृत्व स्वास्थ्यचर्या और परिवार नियोजन की शिक्षा में निवेश करना, जहां 15-20 प्रतिशत महिलाओं की मृत्यु गर्भावस्था से जुड़ी होती है।
  - बंगलादेश में लगभग 50 प्रतिशत किशोरवय माताओं ने बताया कि मातृत्व संबंधी जटिलताओं के लिए वे कोई मदद नहीं लेतीं। रिपोर्ट मातलब जिले के 'प्रसव सेवा आपके द्वार' कार्यक्रम जैसे सफल लक्षित कार्यक्रमों का उल्लेख करती है, जिनसे प्रसव पूर्व तथा प्रसव-पश्चात सेवाओं के प्रयोग में वृद्धि हुई (जोशी एवं शुल्ज़, 2005)।
  - रिपोर्ट सुझाती है कि प्रसव पूर्व देखरेख, जिस दौरान आम तौर पर रक्ताल्पता से ग्रस्त माताओं को लौह पूरक तत्व दिए जाते हैं, भारत जैसे देशों में सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए, जहां 50 प्रतिशत लड़कियां रक्ताल्पता से ग्रस्त होती हैं।
  - बंगलादेश में, पिट तथा अन्य बताते हैं कि ग्रामीण बैंक की सूक्ष्म-ऋण योजनाओं के भाग के रूप में सामाजिक विकास गतिविधियों से *पुरुषों* के संपर्क को कम उर्वरता दरों का एक कारण माना जा सकता है। विश्व विकास रिपोर्ट 2007 सुझाती है कि परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य अभियानों को पुरुषों पर भी लक्षित होना चाहिए।
- एसटीआई तथा एचआईवी सेवाओं को महिला प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए, ताकि दोनों के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। यह भारत में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां एचआईवी का प्रसार, हालांकि कम है, पर यह युवा विवाहित स्त्रियों में उल्लेखनीय गति से बढ़ रहा है।

युवाओं की सूचना तक पहुंच; तथा निर्णय लेने और उन पर अमल करने की क्षमता बढ़ाना

- रिपोर्ट के अनुसार, अनेक पारंपरिक समाजों में, युवा लोगों - खासकर महिलाओं - की ऐसे निर्णयों में भागीदारी नहीं होती जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं।
    - 15 से 24 वर्ष के युवाओं के एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण में, बहुत कम युवा बंगलादेशी महिलाओं का सोचना था कि स्कूल जाने या विवाह संबंधी निर्णयों को वे अधिक प्रभावित कर सकती थीं।

प्राथमिकताएं

- प्रासंगिक सूचना तक बेहतर पहुंच प्रदान कर युवा लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम लेने वाले आचरण को कम करना। इससे ऐसी स्थितियों के अनेक उदाहरण सामने आते हैं जिन्हें सूचना अभियानों के जरिए ठीक किया जा सकता था :
    - नेपाल में, 15 से 24 वर्ष के लगभग 60 प्रतिशत युवा पुरुष धूम्रपान करते हैं।
    - पाकिस्तान के चार शहरों में नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने वाले फुटपाथ के बच्चों के एक अध्ययन में पाया गया कि 90 प्रतिशत कृत्रिम गोंद, गैसोलीन, या थिनर को सूंघते हैं, जो स्थानीय बाजार में आसानी से उपलब्ध है। इन बच्चों में से लगभग दो तिहाई कभी स्कूल नहीं गए।
    - भारत में, खानपान में पिछले 20 वर्षों में संतृप्त वसा, चीनी और परिशोधित खाद्य पदार्थों की ओर स्पष्ट बदलाव आया है।
- युवा लोगों के बीच "अभिकर्ता" - लक्ष्य निर्धारित करने तथा उन पर अमल करने की क्षमता को प्रोत्साहन देना।
    - भारत का बेहतर जीवन विकल्प कार्यक्रम कुछ शहरी परिधियों पर स्थित झुग्गी-बस्तियों तथा ग्रामीण इलाकों में 12-20 वर्ष आयु की युवा महिलाओं को सेवाएं प्रदान करता है - ये सेवाएं हैं प्रजनन स्वास्थ्य तथा सेवाओं के बारे में जानकारी देना, व्यावसायिक प्रशिक्षण, और मनोरंजन के कार्यक्रमों के जरिए महिला अधिकार-संपन्नता को बढ़ावा देना। विश्लेषण से पता चलता है कि कार्यक्रम में शामिल युवा महिलाएं उन महिलाओं के मुकाबले जीवन के प्रमुख निर्णयों में अधिक भागीदारी थी जो इसमें शामिल नहीं थीं (सीईडीपीए, 2001)।

युवा लोगों में नागरिक भागीदारी के अवसरों में सुधार लाना

- विश्व विकास रिपोर्ट 2007 कहती है कि सार्थक नागरिक भागीदारी के अवसरों के बिना, युवा लोगों की हताशाएं हिंसक रूप ले सकती हैं और सामाजिक तथा आर्थिक अस्थिरता को जन्म दे सकती हैं।
    - अभयरत्ने (2003) का निष्कर्ष है कि श्रीलंका के जातीय संघर्ष का आरंभिक कारण उन तमिल विद्यार्थियों की हताशा थी जिनके लिए विश्वविद्यालयों और नागरिक भागीदारी के अन्य रास्ते बंद हो गए थे।

प्राथमिकताएं

- युवा लोगों को सामूहिक कार्य, सार्वजनिक भागीदारी और समुदाय तथा पर्यावरण की देखरेख के माध्यम से विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना।
- सक्रिय नागरिकता के माध्यम से पूर्व में बहिष्कृत समुदायों को वृद्धि तथा बेहतर जीवन स्तर के अवसरों तक पहुंच का विस्तार करना।
    - नेपाल के महिला अधिकारिता कार्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा सामुदायिक गतिविधियां तथा घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों के विरुध्द अभियान शुरू करने की संभावना गैर-भागीदारों के मुकाबले अधिक थी (ढकाल तथा मिस्बाह, 1997)।
- युवा लोगों की सृजनात्मकता और ऊर्जा का सार्थक उपयोग करना।
    - वर्ष 2005 में, लाहौर के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि सहायता उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी जरूरत है, और इस तरह उन्होंने दाता तथा राहत एजेंसियों को जीवन बचाने में मदद की।

एकीकृत "पुनः अवसर" विकल्प प्रदान करना

- हालांकि अवसरों का विस्तार करने वाली और युवा लोगों को बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने में मदद करने वाली नीतियां सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, किंतु उन लोगों के लिए "पुनः अवसर" के विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए जो पीछे छूट गए हैं। ऐसे कार्यक्रमों को मुख्यधारा के कार्यक्रमों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए; समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है।
    - उदाहरण के लिए, बंगलादेश में, वंचित बच्चों हेतु शिक्षा कार्यक्रम (यूसीईपी) प्राइमरी स्कूल छोड़ चुके 10 से 16 वर्ष के बच्चों को तीन वर्ष की शिक्षा प्रदान करके तथा उन्हें यूसीईपी द्वारा संचालित व्यावसायिक कार्यक्रमों में शामिल करके उनकी मदद करता है।